7 प्रत्यय

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- प्रत्ययों को समझाना।
- प्रत्ययों के प्रकारों को समझाना।
- शब्दांश व शब्द में अंतर समझाना।
- हिंदी के शब्दों में उर्दू, फ़ारसी, अंग्रेज़ी के प्रत्ययों के प्रयोग को समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- शब्द-निर्माण प्रक्रिया के बारे में आप क्या जानते हैं?
- 'दुकानदार' और 'सब्ज़ीवाला' शब्दों में मूल शब्द कौन-से हैं?
- 'दार' और 'वाला' प्रत्यय का कोई अर्थ होता है या नहीं?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - शब्द-रचना एक प्रक्रिया है।
  - जो शब्दांश मूल शब्दों के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, 'प्रत्यय' कहलाते हैं।
  - प्रकार्य के आधार पर प्रत्यय के सात भेद– लिंगबोधक, संज्ञा से विशेषण बनाने वाले, भाववाचक संज्ञा बनाने वाले, कर्तृवाचक संज्ञा बनाने वाले, व्यवसायबोधक शब्द बनाने वाले, स्थानबोधक शब्द बनाने वाले तथा स्तरबोधक प्रत्यय।
  - वास्तव में प्रत्यय शब्द नहीं शब्दों के अंश होते हैं।
  - प्रत्ययों का अपना अर्थ होता है।
  - भाषा में प्रत्ययों का प्रयोग स्वतंत्र रूप से नहीं हो सकता।
  - प्रत्यय के प्रयोग से नव शब्द में कभी परिवर्तन होता है, कभी नहीं।

परिवर्तन के साथ –	गा	+	वैया	=	गवैया
	धातु	+	प्रत्यय	=	नया शब्द
परिवर्तन विहीन –	कला	+	कार	=	कलाकार
	संज्ञा	+	प्रत्यय	=	नया शब्द

- प्रत्यय के विभिन्न प्रकारों के उदाहरणों की विस्तारपूर्वक चर्चा।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।